भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)
दैनिक जागरण
Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)
दिनांक : 01.06.2019

आइआइटी-बीएचयू व एसरी इंडिया में करार

जागरण संवाददाता, वाराणसी : डिफेंस इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर मैपिंग, नमामि गंगे, सागरमाला व स्मार्ट सिटीज जैसे सरकारी कार्यक्रमों के लिए कौशल विकास के साथ भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी सहायता प्रदान करने के लिए एसरी इंडिया व आइआइटी (बीएचयू) के बीच शुक्रवार को करार हुआ। समझौते के तहत आइआइटी, बीएचयू व एसरी इंडिया उत्तर प्रदेश सहित पड़ोसी राज्यों में विशिष्ट भू-स्थानिक कौशल, तकनीकी ज्ञान और संसाधनों को विकसित करने के लिए जियोस्पेशियल विशिष्टता के एक केंद्र की स्थापना के लिए सहयोग करेंगे।

संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने डिफेंस इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर व अन्य परियोजनाओं के लिए एसरी इंडिया के साथ हुए समझौते पर खुशी जाहिर की। बताया एसरी की जीआइएस तकनीक का उपयोग देश में बड़े पैमाने पर सरकारी परियोजनाओं में किया जा रहा है। आइआइटी-बीएचयू एसरी इंडिया के सहयोग से इस कॉरिडोर व अन्य परियोजनाओं की मैपिंग जरूरतों को पूरा करने के लिए उत्तर प्रदेश में एक जीआइएस कौशल केंद्र बनाने में मदद करेगा। बताया डिफेंस इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर उत्तर प्रदेश सरकार की रक्षा उपकरण के स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देने के मकसद से शुरू की गई परियोजना है, जिसमें आइआइटी-बीएचयू स्किल पार्टनर के रूप में जुड़ा है। प्रदेश के छह जिलों को कवर करने वाली इस परियोजना के लिए प्रदेश सरकार करीब 3000 एकड़ भूमि रक्षा संबंधित उद्योगों के लिए उपलब्ध कराई जाएगी। जीआइएस (जियोग्राफिक इंफार्मेशन सिस्टम) का उपयोग आधारभूत ढांचे, सहायक उद्योग, कच्चे माल की उपलब्धता आदि के मैपिंग (मानचित्रण) के लिए किया जाएगा। एसरी इंडिया के अध्यक्ष अगेंद्र कुमार ने कहा कि सेंटर ऑफ जियोस्पेशियल एक्सीलेंस बनाने के लिए आइआइटी-बीएचयू के साथ हुए समझौते से गर्व की अनुभूति हो रही है। संस्थान का पुराछात्र आधार देश ही नहीं विदेशों में भी फैला है। पिछले करीब 100 वर्षों से यह संस्थान विश्व को विभिन्न क्षेत्रों में तकनीकी ज्ञान प्रदान कर रहा है। कहा यह समझौता भारत में जीआइएस पेशेवरों की उपलब्धता बढ़ाने में बेहद कारगर साबित होगा। इससे सरकार की महत्वपूर्ण परियोजनाओं मसलन डिफेंस इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर मैपिंग आदि के क्रियान्वयन में मदद मिलेगी।

आइआइटी निदेशक प्रो. पीके जैन व एसरी इंडिया के अध्यक्ष अंग्रेद्र कुमार व अन्य ● जागरण

डिफेंस इंडस्ट्रीयल कॉरिडोर

- कौशल विकास संग भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी को मिलेगा बढ़ावा
- तकनीकी ज्ञान के लिए स्थापित होगा जियोस्पेशियल विशिष्टता केंद्र